Roll No.
रोल नं.

NE

Series RKM/NE

Code No. 3/1
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 20 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

HINDI
हिन्दी
(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks: 100*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो शब्दों या एक-दो वाक्यों में दीजिए :

(क) भाषा-परिवार से क्या आश है ? हिन्दी किस भाषा-परिवार की भाषा है ? 1

(ख) पश्चिमी हिन्दी के अन्तर्गत आने वाली किन्हीं दो बोलियों के नाम लिखिए। 1

(ग) राजभाषा से क्या अभिप्राय है ? 1

(घ) सम्पर्क भाषा से आप क्या समझते हैं ? 1

2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) मोटा, मीठा। (भाववाचक संज्ञा में बदलिए) 1

(ख) तीन, चार। (आवृत्तिवाचक विशेषण रूप लिखिए) 1

(ग) मोहन बहुत थक गया है। (क्रिया-विशेषण छाँटकर उसका भेद भी लिखिए) 1

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) जहाँ-जहाँ हम गए, हमारा बहुत सम्मान हुआ। (आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए) 1

(ख) कैसा मनोरम दृश्य है ? (विस्मयादिबोधक वाक्य में बदलकर लिखिए) 1

(ग) समाचार मिलते ही चले आओ। (अर्थ के अनुसार वाक्य-भेद बताइए) 1

(घ) सूर्य उदित हुआ। कलिकाएँ खिल उठीं। भौंरे मँडराने लगे।

(उपर्युक्त वाक्यों का सरल वाक्य में संश्लेषण कीजिए) 1

4. (क) उपमा **अथवा** यमक का कोई एक उदाहरण दीजिए। 1

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के रेखांकित अंशों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए :

(i) विकसे सन्त-सरोज सब। 1

(ii) मधुर मृदु मंजुल मुख मुस्कान। 1

(iii) उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उसका लगा,
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा। 1

खण्ड ख

5. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 125 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : 8

(क) **मेरी मातृभूमि**

- भौगोलिक स्थिति
- प्राकृतिक सुंदरता
- विश्व का बड़ा लोकतंत्र
- सांस्कृतिक विविधता
- प्रगति की ओर बढ़ते क़दम

(ख) **प्रदूषण**

- तात्पर्य और प्रकार
- परिणाम
- समस्याएँ
- समाधान - उपाय
- हमारा दायित्व

6. कुछ समय पूर्व आपने एक टेलीविजन खरीदा है जो अनेक कमियों के कारण आपके लिए एक समस्या बना हुआ है। अपनी इस समस्या की जानकारी देते हुए विक्रेता के नाम एक पत्र लिखिए, जहाँ से आपने वह खरीदा है। 7

अथवा

छात्रावास में रहने वाले और पढ़ाई की अपेक्षा खेलों में अधिक रुचि रखने वाले भाई को पत्र लिखकर पढ़ाई का महत्त्व समझाइए।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

उद्देश्य के साथ विचार और कर्म के संतुलन बिना सिद्धि कदापि नहीं मिलती। अधिकांश लोगों का विचारपोत लक्ष्यहीन होकर जीवनसागर में स्वच्छन्द बहता रहता है। ऐसा स्वच्छन्द प्रवाह उनके लिए ठीक नहीं, जो ख़तरों और असफलताओं से बचना चाहते हैं। जिनके जीवन का एक केन्द्रीय ध्येय नहीं है, वे भय, दुःख एवं आत्मग्लानि के पात्र बन जाते हैं। मनुष्य को एक उचित उद्देश्य रखकर सिद्धि के लिए प्रयत्न करना चाहिए। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उसे अपनी विचारशक्तियाँ दृढ़तापूर्वक केन्द्रित करनी चाहिए। शुभ और अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति ही उसका कर्त्तव्य होना चाहिए और अपने विचारों को क्षणभंगुर इच्छाओं और कल्पनाओं में भटकने से बचाकर उनकी सिद्धि में ही लगा देना चाहिए। यह आत्मदमन और एकाग्रता का राजमार्ग है। जैसे शरीर से कमज़ोर व्यक्ति व्यायाम, सावधानी, निरन्तर अभ्यास और धीरज के साथ अपने को मज़बूत बना सकता है, वैसे ही मन से कमज़ोर आदमी भी उचित चिन्तन के अभ्यास द्वारा अपने विचारों को सुदृढ़ कर सकता है। दुर्बलता और लक्ष्यहीनता का त्याग करना और सोद्देश्य चिन्तन करना, सफल व्यक्तियों की पंक्ति में बैठना है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) जीवन में ख़तरों और असफलताओं से बचने के लिए व्यक्ति को क्या करना चाहिए ? 1

(iii) लेखक ने आत्मदमन और एकाग्रता का राजमार्ग किसको माना है ? 1

(iv) शरीर और मन की दुर्बल व्यक्ति कैसे सुदृढ़ हो सकते हैं ? 1

(v) सफल व्यक्तियों की पंक्ति में बैठने के लिए क्या करना अभीष्ट है ? 1

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नर-जीवन के स्वार्थ सकल
बलि हों तेरे चरणों पर माँ,
मेरे श्रम-संचित सब फल।
जीवन के रथ पर चढ़कर,
सदा मृत्यु-पथ पर बढ़कर।
महाकाल के खरतर शर सह —
सकूँ, मुझे तू कर दृढ़तर।
जागे मेरे उर में तेरी
मूर्ति अश्रु जल-धौत विमल।
बाधाएँ आएँ तन पर,
देखूँ तुझे, नयन-मन भर।
मुझे देख तू सजल दृगों से,
अपलक, उर के शतदल पर।
क्लेदयुक्त अपना तन दूँगा,
मुक्त करूँगा तुझे अटल।
तेरे चरणों पर देकर बलि,
सकल श्रेय-श्रम संचित फल !

(i) कवि माँ के चरणों में क्या-क्या अर्पित करना चाहता है ? 1

(ii) 'महाकाल के खरतर शर सह सकूँ' काव्यांश से कवि का क्या अभिप्राय है ? 1

(iii) कवि माँ को यह क्यों कहता है कि वह उसको 'सजल दृगों' से देखे ? 1

(iv) कवि माँ की मुक्ति के लिए क्या करना चाहता है ? 1

(v) कवि माँ की कैसी मूर्ति जगाए रखना चाहता है ? 1

खण्ड घ

9. पाठ्य-पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

(क) उनकी खिलाने की योजना में हमारे जैसे चक्की के दो पाटों के बीच के, अर्थात् मध्यवर्गीय लोगों के लिए कोई जगह नहीं है। हमें मौके-बेमौके खिलाकर अपनी हैसियत दिखानी है और खाकर अपना सामाजिक दायित्व निभाना है। हमारा खाना-खिलाना विवशता का एक ऐसा दुश्चक्र है जो सिर्फ़ उधार से चलता है।

(i) किन लोगों की खिलाने की योजना की ओर लेखक ने संकेत किया है ? उस योजना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ii) उस योजना में कैसे लोगों के लिए जगह नहीं है और क्यों ?

(iii) समाज का लेखक जैसा वर्ग क्यों खिलाता है और क्यों खाता है ?

(iv) 'खाने-खिलाने' की विवशता किसकी है ? उनकी विवशता का दुश्चक्र किसके आधार पर चलता है ?

अथवा

(ख) नाख़ून का बढ़ना मनुष्य के भीतर की पशुता की निशानी है औरउसे नहीं बढ़ने देना मनुष्य की आपनी इच्छा है, अपना आदर्श है। बृहत्तर जीवन में अस्त्र-शस्त्रों को बढ़ने देना मनुष्य की पशुता की निशानी है और उनकी बाढ़ को रोकना मनुष्यत्व का तकाज़ा। मनुष्य में जो घृणा है, जो अनायास - बिना सिखाए - आ जाती है, वह पशुत्व की द्योतक है और अपने को संयत रखना, दूसरे के मनोभावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है।

(i) लेखक ने किस वृत्ति को पशुत्व का चिह्न माना है और क्यों ?

(ii) मनुष्य की 'अपनी इच्छा' और 'अपना आदर्श' क्या है ?

(iii) आधुनिक समय में अस्त्र-शस्त्रों की बाढ़ क्यों चिंताजनक है और उसे कौन रोक सकता है?

(iv) लेखक के अनुसार मनुष्य का स्वधर्म क्या है और क्यों ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए : 3+3 = 6

(क) 'मैं और मेरा देश' पाठ के लेखक ने देश के नागरिकों की उच्चता की कसौटी किसे माना है ? क्या आप लेखक के विचारों से सहमत हैं ? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

(ख) 'नींव की ईंट' पाठ का लेखक किनका आह्वान कर रहा है और क्यों ?

(ग) '' 'पूस की रात' कहानी भारतीय किसान का जीता-जागता चित्र प्रस्तुत करती है।'' - प्रस्तुत कथन के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3+3 = 6

(क) 'ठूँठा आम' पाठ में ठूँठ को सर्वथा अभागा क्यों नहीं कहा जा सकता ?

(ख) 'डायरी के पृष्ठों से' पाठ के लेखक की दृष्टि से किस दुख से बढ़कर और कोई दुख नहीं हो सकता ?

(ग) 'राजस्थान के एक गाँव की तीर्थ यात्रा' पाठ के अनुसार तिलोनिया के संस्थान में पुतलियों के तमाशे द्वारा कौन-कौन से प्रयोजन पूरे किए जाते हैं ?

12. 'महामानव निराला' पाठ के आधार पर बताइए कि निराला जी के अधलिखे पोस्टकार्ड उनकी किस विशेषता के परिचायक हैं। 3

13. 'नींव की ईंट' पाठ में 'कंगूरे की ईंट' से लेखक का क्या आशय है ? 2

14. निम्नलिखित में से किसी **एक** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) जो भी हो संघर्षों की बात तो ठीक है।
बढ़ने वाले के लिए
यही तो एक लीक है।
फिर भी दुख-सुख से यह कैसी निस्संगता !
कि किसी को कड़ी बात कहो
तो भी वह बुरा नहीं मानता !
यह कैसा वक्त है ?

(i) 'जो भी हो' — द्वारा किस भाव की ओर संकेत किया गया है ? 2

(ii) कवयित्री आज के परिवेश में संघर्ष की सहजता को आवश्यक क्यों मानती है ? 2

(iii) 'दुख-सुख से यह कैसी निस्संगता' — काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(iv) कवयित्री ने आधुनिक मनुष्य की किस प्रवृत्ति के प्रति खिन्नता प्रकट की है ? 2

अथवा

(ख) सच हम नहीं, सच तुम नहीं,
सच है महज़ संघर्ष ही।
संघर्ष से हट कर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झर कर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं।
जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।

(i) कवि ने दृष्टि में जीवन में सच क्या है ? 2

(ii) पेड़ से झरे फूल-सा किसे बताया गया है और क्यों ? 2

(iii) जीवन-मार्ग में कौन विजयी होता है ? 2

(iv) भाव स्पष्ट कीजिए : 'जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही।' 2

15. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** के काव्य-सौन्दर्य सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+2+2+2=8

(क) वही उठती उर्मियों-सी शैलमालाएँ
वही अन्तश्चेतना-सा गहन वन-विस्तार
वही उर्वर कल्पना-से फूटते जलस्रोत
वही दृढ़ मांसल भुजाओं-से कसे पाषाण।

(i) उपर्युक्त पंक्तियों की भाव-सौंदर्य-सम्बन्धी दो विशेषताएँ बताइए। 2

(ii) मानवीकरण के किन्हीं दो उदाहरणों को चुनकर स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) कौनसी उपमा आपको सबसे सुंदर लगी और क्यों ? 2

(iv) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

अथवा

(ख) अभी जैसे मन्दिरों में चढ़ा कर ख़ुशरंग फूल,
ठंड से सीत्कारती घर में घुसी हों,
और सोते देख मुझको जगाती हों —
सिरहाने रख एक अंजलि फूल हरसिंगार के,
नर्म ठंडी उंगलियों से गाल छूकर प्यार से।

(i) प्रस्तुत काव्यांश की भाव-सौंदर्य-संबंधी दो विशेषताएँ लिखिए। 2

(ii) काव्यांश में संकेतित वात्सल्य भाव को स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) भाव स्पष्ट कीजिए : 'सिरहाने रख एक अंजलि फूल हरसिंगार के।' 2

(iv) काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए। 2

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 3

(i) सूरदास के पद — 'जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै' में गोपियों ने योग और निर्गुण मार्ग को ठगी का सौदा क्यों बताया है ?

(ii) 'परशुराम की प्रतीक्षा' कविता के आधार पर बताइए कि कैसा व्यक्ति जीवन को संपूर्णता में जी सकता है।

17. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर संक्षेप में दीजिए : 3

(i) 'वाक्यज्ञान' से तुलसी का क्या आशय है ? केवल उसका ज्ञान निरर्थक क्यों बताया गया है ?

(ii) कवि किसे 'चुनौती' दे रहा है और क्यों ? 'चुनौती' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

18. बिहारी **अथवा** रामधारी सिंह 'दिनकर' का जीवन-परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली एवं रचनाओं का भी संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 3

19. 'मधुसंचय' के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2 = 6

(क) समय से घर न लौटने पर गोकुल के लिए बुद्धन का मन आशंकित क्यों था ?

(ख) मांडले जेल में लोकमान्य तिलक के लिए पुस्तकें ही सांत्वना की एकमात्र वस्तु क्यों थी ? 'सुभाष चन्द्र बोस का पत्र एन.सी. केलकर के नाम' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'काश, मैं मोटर साइकिल होता' पाठ में लेखक ने मोटर साइकिल के एक्सीडैण्ट की घटना के माध्यम से बीमा-अधिकारियों पर क्या व्यंग्य किया है ?

(घ) 'ऋण-शोध' कहानी में वर्णित प्रसंगों के आधार पर सुजीत एवं विकास के चरित्र की तुलना कीजिए।

20. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

(क) कौन-कौन पात्र कहानी में परस्पर 'समानांतर सरल रेखाएँ' हैं ? किस आधार पर उन्हें ऐसा कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मुग़लों ने सल्तनत बख़्श दी' पाठ के आधार पर तत्कालीन शासकों की कार्यप्रणाली और अंग्रज़ों की चालाकी पर प्रकाश डालिए।